from the Minimum Scheme in so far as it visualises the inter-connection of two docks—the Alexandra Docks with one of the two Victoria and Prince Docks—and thereby on addition of certain number of berths. This is what has been examined by Mr. Posthuma. His conclusions can only be made known when we get officially the report or a copy of it from the United Nations.

Shri Indrajit Gupta: The reference of Mr. Posthuma's scheme to the UN is only because of the possibility of getting UN financial assistance for the scheme, but may I know when the Government expects to get a copy of the report for itself to study because Mr. Posthuma has pointed out certain defects in the original scheme which had been drawn up by our own experts, and therefore we will also have to examine it and see whether it is workable or not?

Shri Raj Bahadur: So far as the question of the status of Mr. Posthuma is concerned, he came as an expert from the UN, and naturally he has to submit his report to the UN. We have to get the report formally and officially from the UN. So far as the defects or shortcomings reported by him are concerned, I cannot be expected to go into details at this stage without getting the report.

श्री रघुनाथ सिंह : मैं यह जानना चाहता हूं कि इस नई स्कीम से वहां पर और कितने जहाजों के आने की क्षमता हो जायगी ।

श्री राज बहादुर : यह माड्रनाइज़ेशन स्कीम है । उसमें लगभग आठ नई बर्थ्स बढ़ाने का सवाल था । अब उन में से पास्थुना साहब कितनी मानेंगे, कितनी नहीं, यह तो उनकी रिपोर्ट पर है । अन्त में हमारे टेक्निकल एक्सपर्ट युनाइटिड नेशन्ज़ के एक्सपर्ट्स की रिपोर्ट पर क्या विचार करते बनाते हैं, क्या निर्णय लेते हैं, यह तो भविष्य में पता चलेगा ।

Purchase of Indian Coaches by Argentina

\+

*383. **Shri D. C. Sharma:**
Shri P. C. Borooah:
Shri Bibhuti Mishra:
Dr. Ram Subhag Singh:
Shri P. G. Deb:
Maharajkumar Vijaya Ananda:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Argentine officials visited India for purchase of coaches from the Integral Ccach Factory; and

(b) if so, the outcome of their visit?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) No.

(b) Does not arise.

Shri D. C. Sharma: May I know if we are exporting coaches to other countries, and if so, to which countries?

Shri Shahnawaz Khan: We have not actually exported any coaches to any country, but we are looking for some country to which we can export.

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार की ओर से ऐसी कोशिश की गई कि जिससे दूसरे देशों में हमारे कोच जा सकें । यदि हां, तो क्या ?

श्री शाहनवाज़ खां : जी हां, कोशिश तो बहुत की गई । अरजेन्टाइना ने जब ग्लोबल टेंडर्ज मांगे, तो हम लोगों ने भी टेंडर दिये । हमारे रेलवे एक्सपर्ट्स की टीम वहां गई और उन्होंने उनको बताया कि हमारे कोचिज़ किस किस्म के हैं । हमने उनको यहां आने का निमंत्रण दिया ।

श्री विभूति मिश्र : माननीय मंत्री ने कहा है कि बहुत से देशों में कोशिश कर रहे हैं कि कोचिज़ भेजे जा सकें ?

उपाध्यक्ष महोदय : उन्होंने बताया तो है ।

श्री विभूति मिश्र : उन्होंने अरजेन्टाइना के बारे में बताया है । मैं यह जानना चाहता हूं कि और कौन से देशों में कोशिश की गई है ।

उपाध्यक्ष महोदय : और देश अगर न हं क्या बतायें ?

श्री शाहनवाज खां : जिन जिन देशों को जरूरत होती है, वे टेंडर मंगाते हैं और हम उनको टेंडर भेजते हैं ।

Shri Ajit Singh Sarhadi: May I ask if tenders have been given to any other country besides Argentina?

Shri Shahnawaz Khan: In addition to Argentina, we have also submitted tenders to Pakistan.

श्री रघुनाथ सिंह : पाकिस्तान और हिन्दुस्तान दोनों ने कोच के वास्ते टेंडर दिया था । क्या कारण है कि हिन्दुस्तान का टेंडर सैकंड आया ?

श्री शाहनवाज खां : मेरे मुअज्जिज़ दोस्त की इन्फर्मेशन बिल्कुल गलत है । पाकिस्तान को कोचिज़ की जरूरत थी और उसने ग्लोबल टेंडर मांगे थे । हिन्दुस्तान ने भी और लोगों के साथ टेंडर सबमिट किये थे ।

श्री रघुनाथ सिंह : हमारा टेंडर सैकंड क्यों हुआ और दूसरे देशों का फर्स्ट क्यों हुआ ? क्या कारण था ?

श्री शाहनवाज खां : इस बारे में पता नहीं है ।

Shri Achar: When the question of the rail car was asked, the hon. Minister was pleased to say that they were not able to supply the demand. Now he says they are thinking of exporting. What is the kind of coaches we are thinking of exporting? Why not manufacture the coaches which we require instead of thinking of exporting?

Mr. Deputy-Speaker: The hon. Member is entering into an argument.

तीसरी योजना में उत्तर प्रदेश में नई रेलवे लाइन बनाना

\+

*३८४. { श्री भक्त दर्शन :
श्री कालिका सिंह :

क्या रेलवे मंत्री २७ मार्च, १९६१ के तारांकित प्रश्न संख्या ११२८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या तीसरी पंचवर्षीय योजना में नई रेलवे लाइन बनाने के बारे में उत्तर प्रदेश से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या उन प्रस्तावों का विवरण पटल पर रखा जायेगा; और

(ग) इन प्रस्तावों के बारे में क्या निश्चय किया गया है ?

The Deputy Minister of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) Not, yet, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

Shri Bhakt Darshan: May I know whether the Government of U.P. have not given any reason for so much delay in sending their proposals, whether they have no intention of sending them at all?

Shri S. V. Ramaswamy: No reply has been received.

Shri C. D. Pande: As far as I know, the U.P. Government have given the topmost priority to the line from Rampur to Haldwani. That project has been surveyed and was at one time sanctioned, but has been held up for the last ten years. May I know if the Government will consider favourably this project, which is an absolute necessity for border defence?

Mr. Deputy-Speaker: That is a good suggestion.

Shri C. D. Pande: It is a request.

Mr. Deputy-Speaker: Requests cannot be made during the Question Hour